प्रेस रिलिज

B.A.P.S. शताब्दी महोत्सव : बाल दिन

१५ दिसंबर २००७

चांदखेडा, अहमदाबाद

ज्ञातव्य है कि बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था का शताब्दी महोत्सव अहमदाबाद के चांदखेडा नगर शाखा में बडी धामधूम से मनाया जा रहा है । महोत्सव के तृतीय दिन (१५ दिसंबर) को बाल दिन के रूप में मनाया गया ।

B.A.P.S. द्वारा संचालित विश्वभर में ५४०० सत्संग केन्द्र अस्तित्व में है जहाँ लाखों बालक संस्कार एवं सद्‌गुणों की शिक्षा पाते हैं । प.पू. प्रमुखस्वामी महाराज की प्रेरणा एवं हजारों अनुभवी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में चलते इन बाल संस्कार केन्द्रों के पाँच उत्कृष्ट हेतु हैं - (१) बालकों में संस्कार - सिंचन (२) शिक्षा और स्वास्थ्य जतन (३) बालकों कीसुषुप्त शक्तियों का विकास (४) बालकों द्वारा समाजोत्कर्ष प्रवृत्तियाँ (५) आदिवासी बालकों का सर्वांगी विकास ।

इन्हीं पाँच बालविकास प्रवृत्तियों को केन्द्र में रखकर आज के बालदिन की भव्यातिभव्य प्रस्तुति हुई । कार्यक्रम की शुभ शुरुआत भगवत्‌नाम स्मरण से हुई । तत्पश्चात विविध रंगबिरंगी वस्त्रों में सुसज्जित बालकों ने धमाकेदार स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया । संम्पूर्ण विश्व में बाल-कल्याण भावना के साथ चलती बालसभा का निदर्शन भी मंच पर हुआ । बालसंस्कार केन्द्रों की स्थापना एवं विकास-क्रम के बारे में पू. इश्वरचरण स्वामी ने अपने वक्तव्य में बताया । कार्यक्रम के इस चरण के अंत बालकों द्वारा कंठस्थ किए गए मंत्र एवं कडियों की प्रस्तुती हुई ।

कार्यक्रम के अगले चरण का प्रारंभ बालकों की भव्य परेड से हुआ । जिसमें बाल संस्कार प्रवृत्ति की सशक्त अभिव्यक्ति हुई । उसके बाद एक आकर्षक संवाद प्रस्तुत किया गया जिसमें एक बालक के नियम धर्म की दृढता का प्रेरणादायी प्रसंग का विवरण था । वह बालक था श्रवण परमार (बहरीन) जिसने शाकाहारी रहने के नियम की पालन दृढता से किया था ।

बालकों के जीवन में प्रामाणिकता का आकंठ संभरण करती **B.A.P.S.**संस्था के ११० बालकों को रंगमंच पर लाया गया जिन्होंने परीक्षा के दौरान नकल न करने का नियम उस समय भी पाला जबकि सामने से उनको ऐसा करने को बाध्य किया था । तत्पश्चात बालकों की भगवान में अतूट श्रद्धा को उजागर करता एक सुंदर संवाद प्रस्तुत किया गया । उसके बाद उन अभिभावकों को मंच पर बुलाया गया जिन्हें अपने बालकों के मूल्यनिष्ठ जीवन से प्रेरणा मिली । तत्पाश्चात उन असाधारण बालकों को सम्मानित किया जिन्होंने शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं ।

गत ५० वर्षों से अविरत चलते **B.A.P.S.**बालसंस्कार केन्द्रों में चलती बालप्रवृत्ति के समाजोपयोगी प्रदान को अभिव्यक्त करता एक भव्य कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ । बालकों द्वारा हुए व्यसनमुक्ति अभियान का आलेख भी प्रस्तुत किया गया । उसके बाद बालकों द्वारा एक भव्य नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसमें एक साथ सैंकडों बाल कलाकारों को मंच पर देखा जा सकता था ।

इस समस्त बाल प्रवृत्ति के प्रेरक पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज हैं । बालकों के प्रति स्वामीश्री का स्नेह तुलना से परे हैं। बालकों के हृदय में भी स्वामीश्री के लिए असीमित प्रेम है । इसे एक विडियो शो के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया ।

अंत में प. पू. प्रमुखस्वामी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में कहा, “